तापमान
अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 11 मई 2025

12 अपराधियों का बढ़ा खौफ एमएलए ने की सीएम से मुलाकात

12 मौजगढ़ से तालाबों-नालों की सफाई का काम शुरू हुआ

कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी एवं स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन

देश के लिए किसान व जवान होते हैं महत्वपूर्ण : श्याम राणा

इस समय देश में अन्न भंडार भरे हुए हैं : कृषि मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसी भी देश के लिए किसान व जवान सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। युद्ध

- प्रदर्शनी के दौरान किसानों को सम्मानित किया गया

कितना भी लंबा चले खेती कम नहीं होनी चाहिए। इस समय देश में अन्न भंडार भरे हुए हैं। किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं है।

किसानों द्वारा खेती को राष्ट्र के लिए करनी होगी। ऐसा सोचकर किसान यदि कृषि के क्षेत्र में आए तो राष्ट्र की तरक्की होगी। जो व्यक्ति जिस रास्ते पर चलेगा वो उसी राह पर चलते हुए विकास करवाकर विकसित भारत में सहयोग करेगा। वैश्विक तरीके से खेती करने से अर्थव्यवस्था में सुधार होगा।

कुरुक्षेत्र। किसानों को सम्मानित करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के सभागार में नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कृषि-तकनीकी प्रदर्शनी एवं स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जहां हम बैठे हैं ये कुरुक्षेत्र है। यहां पर सृष्टि के लिए सबसे पहले खेती का क्षेत्र ब्रह्माजी ने तय किया था। यहीं से दूसरे क्षेत्र के लोगों को खेती करने की सीख मिली थी। भारत कृषि प्रधान देश है। पूरी दुनिया से यदि 100 एकड़ का चयन करें तो सबसे अच्छी भूमि हमारे देश की मिलेगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि खेती तीन प्रकार की होती है। इसमें रासायनिक खेती, ऑर्गेनिक खेती और प्राकृतिक खेती शामिल है। पानी का कम प्रयोग हो। समय कम लगे और पैसा बने। इसके लिए सरकार ने प्रति एकड़ की खेती के लिए प्रति देशी गाय पर सब्सिडी दी जा रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक लाख एकड़ का लक्ष्य तय किया है। सरकार पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है। इस मौके पर एमएसपी कमेटी सदस्य विनोद आनंद, प्रो. रमेश सिहमार, विशाल वर्धन, रणधीर सिंह, गुरनाम सिंह चढ़ूनी, राहुल ढींगडा, राजकुमार सैनी, पद्मश्री भारत भूषण त्यागी, रविन्द्र सांगवान, रमेश सिंह, कर्मचंद सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती करें

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमने प्राकृतिक खेती की तरफ बढना है। इसके लिए केंद्र और प्रदेश सरकार ने किसानों के लिए अपनी-अपनी योजनाएं बनाकर लागू की हुई हैं। उन्होंने कहा कि किसान की आमदनी बढ़ाई जाए, खर्च कम किया जाए।

दो बाइक की भिड़ंत में एक की मौत, पत्नी व दो बच्चे घायल

यमुनानगर। बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव ढलोर संत निरंकारी भवन के पास देर शाम दो बाइकों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में मृतक की पत्नी व उसके दो बच्चे घायल हो गए।

घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। आरोपी बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

- आरोपी बाइक चालक के खिलाफ किया केस दर्ज

गांव सुलखनी निवासी रितु ने बताया कि वह आठ मई को अपने पति 27 वर्षीय राहुल, बेटे एक साल के गीतांश व तीन साल के हर्षित के साथ बाइक पर किसी काम से गए थे। शाम को जब वह वापस घर लौट रहे थे तो संत निरंकारी भवन ढलोर के पास तेज गति से बाइक लेकर आ रहे निखिल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सभी नीचे गिरकर घायल हो गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसके पति राहुल को मृत घोषित कर दिया।

आप सभी को
समाजसेवी जगपाल जौरासी
मां
सुभाष जौरासी व विनोद कुमार, पुत्रवधु उषा देवी उर्फ मीना, बबली व इन्दु एवं पौते व पौतियों की ओर से मातृ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
संस्कारी परिवार और संस्कारों को जीवन में उतारे ताकि हर माता-पिता खुश रहें।
अपनी माता चन्द्रो देवी की याद में मातृ दिवस पर कुछ खास लम्हें जनता को समर्पित
हर व्यक्ति भगवान से पहले अपने माता-पिता को खुश रखे तो जीवन होगा साकार: जगपाल जौरासी
समाजसेवी जगपाल जौरासी की ओर से आगामी 11 मई को मातृ दिवस के अवसर पर सिविल अस्पताल समालखा में मां की रसोई स्वर्गीय श्रीमती चंद्रो देवी के नाम से की जाएगी जनता के लिए समर्पित, यहां जच्चा बच्चा केंद्र पर खाने-पीने का समान होगा फ्री में उपलब्ध सिविल अस्पताल में फिजियोथैरेपी के बरामदे में दो कमरे मरीज के बैठने के लिए तैयार करके किए जाएंगे जनता को समर्पित।

रिंकी अपनी दादी के साथ | प्राची अपनी दादी के साथ | श्वेता दादी चन्दो के साथ सेल्फी लेती हुई | पोता घोड़ी बनाकर दादी को सैर करवाते हुए
जय दादी को केक खिलाते हुए | दादी पौते को पिज्जा खिलाती हुई | जगपाल जौरासी अपनी पत्नी ऊषा उर्फ मीना के साथ अपनी मां को दवाई देते हुए | मां के साथ बेटा सुभाष | जन्मदिन पर केक खिलाते ताऊ
जय अपनी माता को प्यार करते हुए, साथ में अन्य परिवारजन | चन्द्रो देवी बेटे, पोते व पोतियों के साथ | माता चन्द्रो देवी के आंचल के सोते हुए बेटा विनोद | जन्मदिन पर बेटे को केक खिलाती मां
समाजसेवी जगपाल जौरासी की ओर से सभी परिवारों को संदेश समर्पित
जगपाल जौरासी अपनी मां की देखभाल करते हुए | ऊषा उर्फ मीना अपनी सास चन्द्रो देवी के साथ | चन्द्रो देवी की पुत्रवधू सबली देवी | पारिवारिक डॉ. आई.सी. गर्ग व बेटा जगपाल मां को सेवा करते हुए | समाजसेवी जगपाल जौरासी, सुभाष, विनोद व पोती के साथ माता चन्द्रो देवी

करनाल रिंग रोड पर बनाना ही होगा इंटर चेंज मार्ग : रतनमान

- 12 मई को डीसी से मिलेगा भाकियू का प्रतिनिधिमंडल
- किसानों की मांग नहीं मानी गई तो रोक देगें निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने गांव सोहाना पहुंच कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। गांव सोहाना में आयोजित किसान पंचायत में उपस्थित ग्रामीणों ने सोहाना गांव के समीप बनाया जा रहा निर्माणाधीन करनाल रिंग रोड पर इंटर चेंज मार्ग न बनाए जाने का मामला प्रदेशध्यक्ष रतनमान के समक्ष उठाया।

पंचायत की अध्यक्षता पूर्व सरपंच जगबीर सिंह बदरान ने की। ग्रामीणों ने कहा कि जो कुटेल से गांव दादुपुर खुर्द तक रिंग रोड बनाया जा रहा है उसके प्वाईंट न. 18+00 किलोमीटर पर इंटर चेंज मार्ग नही बनाया जा रहा है। करनाल के सहकारी शुगर मिल से शेखपुरा व सोहाना से होते हुए यह सडक़ रसूल पुर कलां सहित कई गांव तक पहुंचती है। इसलिए यहां पर इंटर चेंज मार्ग बनाए जाने की जरूरत है। प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि इस मांग के समाधान के लिए जोरदार संघर्ष भी करना पड़ा तो वे पीछे नही हटेंगे।

करनाल। ग्रामीणों की पंचायत को संबोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष रतनमान।

ग्रुप बी चेस में लड़कियों में लोटस सदन प्रथम

भाकियू नेता सुरेंद्र सांगवान व उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इंटर चेंज मार्ग की मांग को माना नहीं गया तो ग्रामीणों द्वारा मजबूरी वंश रिंग रोड के निर्माण कार्य को रोकना पड़ा तो अपने कदम पीछे नहीं हटाएगें। इसलिए इस संबंध में आने वाली 12 अप्रैल को जिला उपायुक्त उत्तम सिंह से भेंट करके प्रबल तरीके से यह मांग उठाई जाएगी।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। बिलासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर युवती को अगवा करके ले गया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिलासपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 24 वर्षीय लड़की नौ मई को किसी काम से घर से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उन्हें अपनी लड़की का कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को गांव पिपली वाला निवासी हर्ष शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सहारनपुर का अंकुश पुलिस मुठभेड़ में काबू

- पांव में गोली लगने से हुआ जख्मी, अस्पताल में दाखिल
- नारायणगढ़ की नई अनाज मंडी के बाहर किया था फायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

नारायणगढ़ की नई अनाजमंडी के बाहर 1 मई को हवाई फायर करने के मामले में सीआईए वन ने सहारनपुर के अंकुश गुर्जर को मुठभेड़ के दौरान काबू किया है।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी अंकुश के पांव में गोली लगी है। उपचार के लिए उसे यहां के नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। 34 साल के अंकुश गुर्जर को पुलिस काफी दिन से तलाश रही थी। टीम को आरोपी अंकुश गुर्जर के कस्बे में होने की सूचना मिली थी। तभी जांच टीम ने आरोपी को काबू करने की योजना बनाई। जांच टीम के मुताबिक जब आरोपी को सरेंडर करने के आदेश दिए तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में आरोपी को एक गोली पांव में लगी। इसी वजह से वह भाग नहीं पाया। सीआईए ने इस दौरान आरोपी को काबू कर लिया। अंकुश गुर्जर पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

दो आरोपी रिमांड पर

इस मामले में पुलिस ने पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी रिमांड पर चल रहे हैं। इन आरोपियों ने 1 मई की सुबह सब्जी मंडी के गेट पर धमकाने के इरादे से चार हवाई फायर किए थे। जाते समय आढ़ती बुद्धिराजा को फिरौती के लिए धमकी दी थी।

महिला की मौत, चार नामजद

यमुनानगर। रादौर थाना क्षेत्र के गांव छारी में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। मृतका के मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने मृतका के पति समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप में केस दर्ज किया है। गांव दुबली निवासी उषा रानी ने बताया कि उसकी 25 वर्षीय बेटी जीतो देवी उर्फ रेणु की शादी गांव छारी निवासी टोनी कुमार के साथ की थी। उन्हें सूचना मिली थी कि उनकी लड़की की तबीयत खराब है। वह मौके पर पहुंचे तो लड़की मृत हालत में घर में पड़ी मिली।

हर कदम आसान..... हरियाणा के पहले
+पोजीट्रोन
सुपर स्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल
वर्ल्ड क्लास रोबोट
से घुटने बदलने की सर्जरी के साथ
जल्दी रजिस्टर करें!
विशेष लॉन्च डिस्काउंट का लाभ उठाएँ!
85710 81699, 01262-663000
Sector-35, Suncity, Rohtak

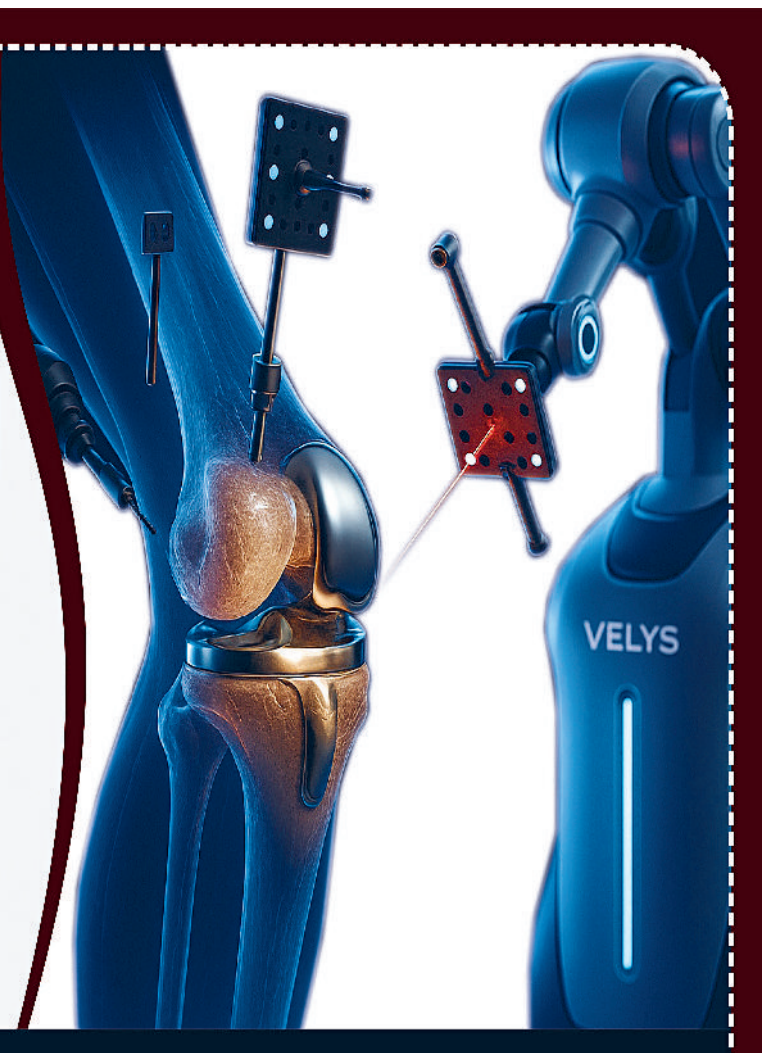

खबर संक्षेप

22 ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने डेहा बस्ती तीर्थ नगर के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 22 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एएसआई सोनू ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि डेहा बस्ती तीर्थ नगर के पास एक युवक नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। टीम ने मौके पर पहुंची व संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 22 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। जिसने अपनी पहचान उत्तर प्रदेश के गांव बरहेड़ी कॉलोनी नांगल निवासी अंकित कुमार के रूप में हुई। फिलहाल आरोपी तीर्थ नगर की टपरी नजदीक झाड़ू फैक्ट्री के पास किराए के मकान में रहता है।

मालिक ने मांगा मकान का किराया, तो दंपति ने पीटा

यमुनानगर। शहर की शिवपुरी बी कॉलोनी में दो साल का पेंडिंग किराया मांगने पर दंपति ने मकान मालिक महिला के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। इस दौरान महिला बेहोश हो गई। जब उसे होश आया तो उसके कानों की बालियां व सोने की चेन गायब मिली। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी दंपति के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। ममता ने बताया कि 25 जनवरी की शाम को वह अपने घर पर थी। तभी खुर्दी गांव निवासी रमेश कुमार व उसकी पत्नी निशा उनके घर पर आए व गाली गलौज की और जाति सूचक शब्द बोलकर अपमानित किया। विरोध किया तो आरोपियों ने उससे मारपीट की। जिससे वह बेहोश होकर गिर गई। उसके पड़ोसियों ने उसे संभाला। इस मारपीट में उसके कान की बाली, व सोने की चेन गुम हो गई। लेकिन किराया व बिजली का बिल जमा नहीं कराया। किराया मांगने पर आरोपियों ने पहले भी उससे मारपीट व गाली गलौज की थी।

भारत पाक तनाव को देखते हुए प्रशासन ने बढ़ाई सक्रियता

सीज फायर के बाद भी प्रशासन अलर्ट जागरूकता को जिले में लगेंगे सायरन

दिनभर भागदौड़ में लगा रहा प्रशासन शाम को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

यमुनानगर। जिला सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते डीसी व एसपी।

यमुनानगर। बैठक में आपदा से निपटने के निर्देश देते उपायुक्त।

भारत और पाकिस्तान के बीचतनाव के बीच प्रशासन दिनभर भागदौड़ में लगा रहा। शाम को सीज फायर की घोषणा के बाद भी प्रशासन अलर्ट मोड रहा, हालांकि इससे कुछ राहत अवश्य मिली। ऐसे स्थिति में लोगों को जागरूकता करने के लिए जिले के सभी गांवों व निकाय क्षेत्रों में सायरन स्थापित किए जाएंगे। लोगों को किसी भी प्रकार से गंभराने व भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। डीसी पार्थ गुप्ता ने सचिवालय में शनिवार को प्रेस वार्ता में यह बात कही।

डीसी ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन का आपदा प्रबंधन टीमों के साथ निरंतर संपर्क में है। उन्होंने बताया कि बल्क एसएमएस के माध्यम से अलर्ट की सूचना लोगों को दी जाएगी। जिलेवासियों से अनुरोध किया कि रात्रि 10 बजे से सुबह पांच बजे तक अपने घरों के अंदर व बाहर की व दुकानों, साइन बोर्डो, कारखाने आदि में भी लाइट स्वेच्छा से बंद रखें।

संस्थाओं का लेंगे सहयोग

डीसी ने बताया कि जिला प्रशासन व पुलिस के साथ साथ होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, स्वयं सेवी, धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं, रेडक्रास के वालंटियर की सूची तैयार की गई है। इसके साथ साथ पूर्व सैनिकों का भी डाटा लिया गया है। ताकि जरूरत के समय उनकी सेवाएं ली जा सकें। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जो आपात स्थिति में अपनी सेवाएं देने के इच्छुक हैं वे स्वेच्छा से सचिव रेडक्रॉस को अपना नाम लिखवा सकते हैं।

पटाखों पर रहेगा प्रतिबंध

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि पटाखों के खरीदने बेचने व प्रयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। शादी व अन्य समारोह में ज्यादा लोगों को न बुलाएं व लाइटों का कम प्रयोग करें। डीजे के बिम लाइट का प्रयोग न करें।

शहर में लगेंगे 12 सायरन

डीसी ने बताया कि नागरिकों की जागरूकता के लिए जिला के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शहर में 12 सायरन स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, जिले के सभी ग्राम पंचायतों में सायरन स्थापित करवाए जा रहे हैं। सायरन स्थापित करने का मकसद लोगों को कोई भी जानकारी एक साथ देने का है। सायरन बजने पर कुछ जरूरी सावधानियां रखनी होती हैं। नागरिकों को सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतों की पालना करनी होती है। जिला वासियों से अपील है कि वे किसी भी आपातकालीन स्थित या जरूरत के समय बजने वाले सायरन या ब्लैक आउट के दौरान हिदायतों की पालना करें।

रात को घर में रहें

जिला पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भोरिया ने लोगों से अपील की है कि बिना काम के रात में घर से बाहर सड़कों पर न निकले। प्रशासन का सहयोग करें। प्रशासन का सहयोग अपनी स्वयं की मदद है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने अपने घरों में किराएदार रखें है उनकी वेरिफिकेशन पुलिस से अवश्य करवा लें। यदि कोई अप्रिय घटना घटती है तो मकान मालिक ही जिम्मेवार होगा।

आपदा के समय प्रबंधन में प्रशासन का सहयोग करें आमजनः उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

- अधिकारियों को डीसी ने दिए आपदा से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश।

डीसी पार्थ गुप्ता ने आपदा की स्थिति से निपटने की तैयारियों को लेकर जिला सचिवालय में संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के आदेशानुसार सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहेंगे। अवकाश पर गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का तुरंत प्रभाव से अवकाश रद्द कर दिया गया है। वह अपनी ड्यूटी ज्वाइन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना मोबाईल फोन ऑन रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बैठक में स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, नगर निगम व नगर पालिका, राजस्व विभाग व पंचायत विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों को समय रहते सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला राजस्व अधिकारी को निर्देश दिए कि आपदा प्रबंधन प्लान को जल्द अपडेट करें। उन्होंने बताया कि राहत और बचाव के लिए टीमें तैनात हैं। एनडीआरएफ एवं जिला पुलिस बल की विशेष टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जिला में प्राथमिक राहत केंद्रों को तैयार किया गया है। जहां खाद्य सामग्री, दवाइयां, पेयजल आदि की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे शांति बनाए रखें व प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन करें और किसी भी अफवाह से बचें।

रादौर थाना में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में भाग स्थानीय लोग।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली तो होगी कार्रवाईः राणा

रादौर। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा रादौर थाना में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह राणा ने की। इस दौरान बैठक में रादौर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। मौके पर नागरिकों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। वहीं अपराध को खत्म करने के लिए सभी ने अपने विचार प्रकट किए। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह राणा ने बैठक में सभी नागरिकों को शांति और भाईचारा बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आपराधियों व आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने और समाज में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नागरिकों का सहयोग होना जरुरी है। ताकि समाज में शांति व्यवस्था बनी रहे। मौके पर बैठक में मौजूद लोगों ने पुलिस से स्कूल व कॉलेजों के आसपास पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। वहीं, दिन के समय कस्बा के दोनों पार्कों में मंडराने वाले असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने की मांग की। जिस पर थाना प्रभारी नरेंद्र राणा ने नागरिकों को आश्वासन दिया कि पुलिस असामाजिक तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करेगी। बिना नंबर के वाहनों को इंपाउंड किया जाएगा। नशा बेचने व नशा करने वाले लोगों के विरूद्ध पुलिस सख्त कार्रवाई करगी। वहीं, शहर के बाजार में दुकानों के आगे अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसी भी तरह की अमर्यादित भाषा किसी व्यक्ति विशेष, जाति, धर्म संप्रदाय को आहत करने की मंशा से कोई भी वीडियो व फोटो या अभिलेख पोस्ट नहीं डालने के लिए लोगों को आहवान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट डाली गई तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह राणा ने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की भी कोई गलत अफवाह ना फैलाएं। इस अवसर पर पार्षद भगवतदयाल कटारिया, कुलदीप नंबरदार, प्रधान वेद प्रकाश कांबोज, प्रधान अशोक गुंबर, गुरदयाल सैनी, डॉ. बलदेव सैनी, राजीव जिंदल, अमित कांबोज, सतीश कांबोज, मंगलराम बठला, सरदार त्रिलोचन सिंह टोची, मुकेश अरोड़ा मक्की व मास्टर प्रवेश कुमार आदि मौजूद रहे।

जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम किया स्थापित

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। यह कंट्रोल रूम आपदा प्रबंधन के दौरान सभी प्रकार के कम्युनिकेशन का केंद्र होगा। जहां से संबंधित विभागों को निर्देश और सूचनाएं दी जाएंगी। जिला प्रशासन की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्म से अपडेट लेते रहें। उन्होंने बताया कि जिला सचिवालय, इस्जेक, पेपरमिल व रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न ऐसे स्थान निश्चित किए गए हैं जहां पर सायरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया जाएगा। इसी प्रकार सभी पंचायतों में स्कूलों, गुरुद्वारों और धार्मिक स्थानों पर सायरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया जाएगा। ताकि किसी भी तरह की आपदा से लोगों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने आपदा के समय में जिला के नागरिकों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए अनुरोध किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सृष्टि गुप्ता, जगाधरी के एसडीएम सोनू राम, सीईओ जिला परिषद वीरेन्द्र सिंह दुल, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार व रादौर के एसडीएम नरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

दून सिग्नस वर्ल्ड स्कूल में उत्साह से मना मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

दून इंटरनेशनल सिग्नस वर्ल्ड स्कूल में शनिवार को मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सभी बच्चों ने व माताओ ने भाग लिया। नर्सरी कक्षा के विद्यार्थियों ने आई लव माय मॉम, एलकेजी कक्षा ने मेरी मां प्यारी मां व यूकेजी कक्षा ने तू कितनी अच्छी है मां गाने पर नृत्य किया। कक्षा दूसरी से लेकर पांचवी तक के लड़कों ने तेरी उंगली पकड़कर चला व लड़कियों ने लुका छुपी गाने पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। अर्णव तथा शिवेश ने कविता प्रस्तुत करी। आलिया मिस्टी तथा निवेदिता ने सोलो नृत्य करके सब का मन मोह लिया। मुख्य अध्यापिका नेहा मेहता ने कहा मां का जीवन में बहुत अहम स्थान होता है। मां को ईश्वर का दूसरा रूप माना जाता है। मां को प्रेम तथा करुणा का प्रतीक भी माना जाता है। हमें अपने जीवन में मां के महत्व को समझना चाहिए।

डीएवी स्कूल में बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाकर समझाया मां का महत्व

डीएवी पब्लिक स्कूल राढौर में मातृ दिवस के अवसर पर शनिवार को बच्चों ने कविता, गीत, नृत्य, भाषण, स्लोगन व चित्र बनाकर मां के प्रति अपने विचार उज्जागर किए। प्राचार्या रमन कुमार शर्मा ने बताया कि मातृ दिवस के उपलक्ष्य में नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के बच्चों ने मां के लिए विभिन्न ग्रीटिंग कार्ड व स्लोगन लिख कर मां के प्यार व देखभाल के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के छात्रों के द्वारा नृत्य, गायन व लघु नाटिका के माध्यम से मां के प्यार को दर्शाते हुए प्रतिभा को मंच दिया गया। कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के छात्रों के द्वारा कविता व भाषण के माध्यम से मां के समर्पण के महत्व को बताया गया। मनुष्य के जीवन में मां का स्थान सर्वोपरि होता है। उन्होंने माताओं के प्रेम, त्याग और समर्पण की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से अपने जीवन में अपनी मां का सदा सम्मान करें।

शिक्षकों को नई शिक्षा नीति की दी जानकारी

यमुनानगर। होली मदर पब्लिक स्कूल यमुनानगर में सीबीएसई द्वारा शनिवार को शिक्षकों के लिए एक्टिव लर्निंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रूबिना नाज व मंजू लांबा व स्कूल प्राचार्या मोनिका कश्यप विशेष रूप से शामिल हुई। रूबिना नाज ने कार्यशाला में शिक्षकों को विभिन्न विषयों पर क्लासरूम में अध्यापन के लिए शिक्षा दी गई कि कैसे बच्चे सक्रिय रूप से अध्ययन में संलग्न रह सकें। इन गतिविधियों के द्वारा हमारी नई शिक्षा नीति में क्या क्या बदलाव किए गए हैं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर मुख्य वक्ता रूबिना नाज और मंजू लांबा ने अपनी विशेषज्ञता के साथ शिक्षकों को शिक्षा के माध्यमों और उनके प्रभावी उपयोग के बारे में बताया। साथ ही शिक्षकों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी समाधान किया। उन्होंने बताया कि हम बच्चों को कैसे सक्रिय रूप से व्यस्त कर सकते हैं।

नई पीढ़ी को दिशा देने में अभिभावकों का अहम रोल

यमुनानगर। न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल चांदपुर(यमुनानगर) में शनिवार को बच्चों के प्रति अभिभावकों की भूमिका एवं जिम्मेदारियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रुप में पंचनद शोध संस्थान के अध्यक्ष सुरेश पाल ने भाग लिया। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. बिंदु शर्मा ने की। सुरेश पाल ने संगोष्ठी में बच्चों के अभिभावकों को समझाया कि आज की पीढ़ी को दिशा देने में उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि बच्चों की आदतें, सोच और व्यवहार काफी हद तक घर के वातावरण और अभिभावकों के मार्गदर्शन पर निर्भर करते हैं। अत्यधिक मोबाइल उपयोग, सोशल मीडिया की लत और कम उम्र में वाहन चलाने जैसी प्रवृत्तियां बच्चों में बढ़ना चिंता का विषय है। यह केवल स्कूल की ही नहीं, बल्कि अभिभावकों की भी सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को समय रहते सही दिशा में प्रेरित किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए। उनके डिजिटल जीवन की निगरानी करनी चाहिए और घर में अनुशासन के साथ साथ विश्वास का माहौल बनाना चाहिए। प्रबंधन समिति चेयरमैन जीएस शर्मा ने कहा कि केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि बच्चों का आचरण और जिम्मेदारी की भावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हमें मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि आज के बच्चे कल के समझदार नागरिक बनें। यह तभी संभव है जब अभिभावक अपने कर्तव्यों को समझें और उन्हें निभाएं।

पक्षियों के लिए छतों पर बर्तनों में रखें पानीः शालू

रादौर। नपा चेयरमैन रजनीश मेहता ने लोगों को आहवान किया कि वह गर्मी के मौसम में बेजुबान पक्षियों के लिए अपने घरों की छतों व खाली स्थानों पर बर्तनों में पानी भरकर रखें। ताकि गर्मी में पक्षी अपनी प्यास बुझा सकें। उन्होंने उक्त शब्द रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान एडवोकेट अजय शांडिल्य द्वारा अपने पिता सुशील मोहन शांडिल्य की बरसी पर नपा को पक्षियों के लिए पानी भरने के लिए मिट्टी के सौ कसौरे भेंट करने के दौरान कहे। मौके पर नपा के एमई संदीप शर्मा मौजूद रहे।

चेयरमैन रजनीश मेहता शालू ने पक्षियों के लिए पानी रखने के लिए नपा को भेंट किए गए मिट्टी के कसौरों के लिए एडवोकेट अजय शांडिल्य का आभार जताया। इन कसौरों को नपा द्वारा नागरिकों को वितरित किया जाएगा। ताकि वह कसौरों में पक्षियों के लिए पानी भरकर अपने घरों की छतों पर रख सकें। गर्मी में पानी के अभाव में पशु पक्षी इधर उधर भटक रहे हैं।

अच्छा इंसान बन माता पिता का समाज में बढ़ाएं गौरव

- स्टार वे सीनियर सेकेंडरी स्कूल खुर्दी में मातृ दिवस पर कार्यक्रम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

स्टार वे सीनियर सेकेंडरी स्कूल खुर्दी में मातृ दिवस के उपलक्ष में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बच्चों ने भाषण, कविता, नाटक व नृत्य आदि कर जीवन में माता पिता के महत्व को बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रिंसीपल दीपमाला कांबोज ने दीप प्रज्जवलित करके किया।

प्राचार्या दीपमाला कांबोज ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर न केवल जीवन में मां के महत्व को बताया। बल्कि उन्होंने जीवन में पिता के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने जीवन में पिता के योगदान पर विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दौरान बच्चों द्वारा माता पिता दोनों के महत्व पर डाले गए भावनात्मक रुप से प्रकाश पर शिक्षक भावविभोर हो गए। प्रिंसीपल दीपमाला कांबोज ने विद्यार्थियों को समझाया कि वह जीवन में अच्छा इंसान बनकर अपने माता पिता का समाज में गौरव बढ़ाएं। ताकि उनके माता पिता हमेशा उन पर गर्व महसूस करें। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता पिता के साथ सहायक, दयालु और विनम्र होने का भी अनुरोध किया । क्योंकि वे ऐसे व्यक्ति हैं जो हमेशा अपने बच्चों की भलाई चाहते हैं। मां को बच्चे का पहला शिक्षक भी कहा जाता है। क्योंकि वह इस दुनिया में किसी और की तुलना में बच्चे को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। प्रिंसीपल दीपमाला कांबोज ने कहा कि जीवन में जैसे जैसे बच्चे बड़े होते हैं वह माता पिता का अनादर करना शुरू कर देते हैं और छोटी छोटी बातों पर बहस करना शुरू कर देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वह अपने माता पिता के नजरिए से भी चीजों को देखें। क्योंकि माता पिता ही ऐसे व्यक्ति हैं जो उन्हें कभी निराश नहीं करेंगे तथा जीवन की हर परिस्थिति में उनका साथ देंगे।

धर्म और स्वाधीनता के लिए महाराणा प्रताप ने दिया अपना बलिदानः माटिया

रादौर। महाराणा प्रताप पार्क एसोसिएशन के तत्वावधान में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष में पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के सदस्यों व गणमान्य लोगों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनकी महानता को नमन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएशन के प्रधान भारत माटिया ने किया।

प्रधान भारत माटिया ने कहा कि महाराणा प्रताप एक महान योद्धा थे। जिन्होंने दुश्मनों के दांत खट्टे किए थे। महाराणा प्रताप को बचपन में कीका के नाम से पुकारा जाता था। महाराणा प्रताप का राज्यभिषेक गोगुंदा में हुआ था। मेवाड़ की शौर्य भूमि धन्य है जहां वीरता और दृढ प्रण वाले प्रताप का जन्म हुआ। उन्होंने धर्म एवं स्वाधीनता के लिए अपना बलिदान दिया। सन 1576 के हल्दीघाटी युद्ध में करीब बीस हजार राजपूतों को साथ लेकर महाराणा प्रताप ने मुगल सरदार राजा मान सिंह के 80 हजार की सेना का सामना किया। महाराणा प्रताप के पास एक सबसे प्रिय घोड़ा था। जिसका नाम चेतक था। इस युद्ध में अश्व चेतक की भी मृत्यु हुई। शत्रु सेना से घिर चुके महाराणा प्रताप को शक्ति सिंह ने बचाया। यह युद्ध केवल एक दिन चला।

विकास कार्यों की गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं

मेयर ने किया निरीक्षण, जांची सामग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

विकास कार्यों के निर्माण कार्य में प्रयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उक्त निर्देश नगर निगम यमुनानगर की मेयर सुमन बहमनी ने शहर के विभिन्न स्थानों पर चल रहे विकास कार्यों के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए। मौके पर उन्होंने निर्माणाधीन विकास कार्यों में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता जांची। विभिन्न कॉलोनियों की सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई व ड्रेनेज सिस्टम आदि की भी जांच की।

मेयर सुमन बहमनी ने पार्षद भानू प्रताप, सीएसआई हरजीत सिंह, एएसआई सचिन कांबोज, भाजपा नेता संजीव गर्ग, भूपेंद्र सैनी व राजेंद्र मल्होत्रा के साथ शहर के कल्याण नगर, भागीरथ कॉलोनी, मधुबन कॉलोनी व अन्य कॉलोनियों का दौरा किया। यहां उन्होंने कॉलोनियों की गलियों में जाकर सफाई व्यवस्था, नालों व नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर खाली प्लाटों में जमा गंदगी व नालियों की सफाई के बारे में जांच की। लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी। मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो खाली प्लाट बिना चारदीवारी के गंदगी से भरे पड़े हुए हैं। उन प्लाट मालिकों को नोटिस जारी करें। जिन नालों व नालियों में गंदगी है उन्हें तुरंत प्रभाव से साफ किया जाए। निरीक्षण के दौरान मेयर बहमनी ने सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की और मौके पर ही अटेंडेंस रिपोर्ट तलब की। इसके बाद मेयर सुमन बहमनी ने वार्ड नंबर पांच में गली निर्माण स्थल पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए और मौके पर ही ठेकेदार को बुलाया। मेयर ने स्पष्ट किया कि घटिया निर्माण सामग्री और लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों को दिए निर्देश

मेयर सुमन बहमनी ने विभाग को सख्त चेतावनी दी कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार ही किए जाएं। निरीक्षण के दौरान मेयर ने कॉलोनी में फैले कूड़े और खाली प्लॉटों में जमा गंदगी पर नाराजगी जताई। मेयर सुमन बहमनी ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। नागरिकों ने जलभराव, सड़क मरम्मत और कूड़ा निस्तारण जैसी समस्याएं सामने रखी। जिन पर मेयर ने तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि खाली प्लाट मालिक अपने प्लाटों की चारदीवारी कराएं। यदि वे ऐसा नहीं करते तो निगम द्वारा उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। निगम द्वारा जो विकास कार्य किए जा रहे हैं। उनकी गुणवत्ता जांची जा रही है। विकास कार्यों में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्रीकृष्ण व सुदामा की मित्रता से मिलती है मित्रता निभाने की सीखः कमलेश शास्त्री

यमुनानगर। श्री सनातन धर्म मंदिर मॉडल टाउन में चल रही श्रीमद् भागवत सप्ताह कथा ज्ञान यज्ञ का आज हवन एवं पूर्णाहुति के बाद समापन हो गया। समापन पर मुख्य यजमान के रूप में पूरन चंद्र शर्मा, रोशन लाल शर्मा, हरि नारायण शर्मा, राकेश त्यागी, सुरेंद्र नंदा, नरेश खेड़ा, काका विजय कुमार ,शाम लाल नरवाल, लूकरण शर्मा व अक्षय लाल वर्मा ने भाग लिया।

आचार्य कमलेश शास्त्री महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की अलग अलग लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने फरमाया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्री कृष्ण सुदामा से समझ सकते हैं। सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र से मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। सुदामा ने द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे। द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह राजा कृष्ण के मित्र हैं। इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। अपना नाम सुदामा बता रहा है। जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना प्रभु सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ दौड़ पड़े । द्वार पर पहुंचकर सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया।

उपायुक्त ने आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा को लेकर अधिकारियों से साथ ली बैठक

पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैंड रेलवे स्टेशन में चलाया चेकिंग अभियान

■ आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी करने वाले के खिलाफ की जाएगी सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा को लेकर अधिकारियों को संबोधित करती उपायुक्त नेहा सिंह और रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के सामान की चेकिंग करते पुलिस कर्मी। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त नेहा सिंह शनिवार को लघु सचिवालय के सभागार में आपदा प्रबंधन कार्यों की समीक्षा को लेकर अधिकारियों की एक बैठक को सम्बोधित कर रही थी। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उपायुक्तों को जिले में बिजली कट, बहुमंजिली ईमारतों में आपदा से निपटने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जाए, जिले में खादय पदार्थों के उपलब्धता बारे विशेष फोकस रखा जाए और कोई भी दुकानदार या व्यापारी खादय पदार्थों को स्टोर ना करे और ऊंचे दामों पर खादय पदार्थ ना बेचे, इस विषय पर उपायुक्त विशेष ध्यान देंगे। अगर कोई दुकानदार या व्यापारी कालाबाजारी करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिए कि स्वास्थ्य सेवाओं, दवाइयों के साथ-साथ हर कस्बे में एंबुलेंस की व्यवस्था करने और स्वास्थ्य सेवाओं को होटलाइन से जोड़ने के प्रबंध किए जाए। उपायुक्त ने कहा कि कुरुक्षेत्र में लघु सचिवालय व ब्रह्मसरोवर पर सायरन की व्यवस्था कर दी गई है। इसके अलावा पंचायत विभाग की तरफ से गांव में सायरन के प्रबंध कर दिए गए है। इस जिले में एसडीएम और मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों को अपने-अपने वाहनों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाना होगा। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्र में फील्ड में रहकर आम नागरिकों के साथ-साथ सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के सम्पर्क में रहना होगा। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल, एसडीएम अमन कुमार, एसडीएम पंकज सेतिया, एसडीएम कपिल शर्मा, एसडीएम डा.चिनार चहल, डीएमसी सतेन्द्र सिवाच, डीएफएससी सुरेन्द्र सैनी सहित सम्बन्धित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

पुलिस अलर्ट मोड़ पर

पहलगाम आतंकी हमले के बाद मौजूदा हालात के मध्यनजर कुरुक्षेत्र पुलिस अलर्ट मोड़ पर है। जिला पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए हैं। जिला पुलिस द्वारा जिलाभर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के आदेश दिए गए। जिला पुलिस द्वारा सार्वजानिक स्थानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटलों व धर्मशालाओं में चैकिंग अभियान चलाये जा रहे हैं। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक श्री नीतीश अग्रवाल ने सभी थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने एरिया में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, होटलों व धर्मशालाओं में विशेष चैकिंग अभियान चलाने के आदेश दिए हैं। सभी थाना प्रबन्धक व चौंकी इन्चार्ज को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में अजनबी लोगों को चैक करने तथा पर्चे अजनबी जारी करने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने आमजन से अपील की है कि आप सब भी सचेत रहें। किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति का पता चलते ही उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। कानून व शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का हर प्रकार से सहयोग करें।

उपमंडल स्तर पर कन्ट्रोल रूम बनाने के दिए निर्देश

उपायुक्त नेहा सिंह ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि हर उपमंडल में कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाए और इस कन्ट्रोल रूम में टेलिफोन भी लगाया जाए और इस टेलिफोन नंबर पर कोई भी व्यक्ति 24 घंटे सम्पर्क कर सके।

झूठी अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक नितिश अग्रवाल ने कहा कि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर झूठी अफवाह, समाचार और फेक वीडियों वायरल करने वालों पर पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष नजर रखी जा रही है, जो भी व्यक्ति अफवाह फैलाकर पैनिक पैदा करने का प्रयास करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नागरिकों के लिए खाद्य पदार्थों, डीजल और रसोई गैस का भरपूर स्टॉक उपलब्ध : सुरेंद्र सैनी

जिला खाद्य एवं पूर्ति नियन्त्रक सुरेंद्र सैनी ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए आमजन को घबराने की जरूरत नहीं है। जिला में खाद्य पदार्थों का भरपूर स्टॉक उपलब्ध है। जिला के सभी पेट्रोल पंपों के पास पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध है तथा जिला की सभी गैस एजेंसियों के पास रसोई गैस का भी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इंडियन ऑयल ने कहा है कि उनके पास डीजल-पैट्रोल व रसोई गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ता घबराहट में कोई भी अनावश्यक खरीदारी न करें। जिला में अगर कोई भी थोक परचून विक्रेता या दुकानदार राशन की कालाबाजारी व जमाखोरी करता पकड़ा जाता है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में अगर कोई विक्रेता वस्तु को निर्धारित दर से अधिक पर विक्रय करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध भी सख्त से सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इसलिए जिला का प्रत्येक उपभोक्ता इन सभी बातों प्रति जागरूक होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। इसके अतिरिक्त जिला के सभी डिपो धारकों द्वारा पात्र बी.पी.एल. व ए.ए.वाई. लाभार्थियों को मास मई 2025 की आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया जा रहा है जिसे पात्र कार्ड धारक सम्बन्धित डिपो धारक से प्राप्त कर सकते हैं। न्होंने कहा कि अगर किसी उपभोक्ता को राशन कालाबाजारी व जमाखोरी अथवा निर्धारित दर से अधिक रेट सम्बन्धित समस्या आती है तो वह इसकी सूचना सम्बन्धित सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी, निरीक्षक के कार्यालय या जिला खाद्य एवं पूर्ति नियन्त्रक कार्यालय कुरुक्षेत्र में संपर्क कर सकता है।

कुरुक्षेत्र। नवयुग स्कूल में खेल गतिविधि में भाग लेती माताएं।

नवयुग सीनियर सकेंडरी स्कूल में मनाया मातृ दिवस, माताओं ने मनोरंजक खेलों में लिया भाग

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सकेंडरी स्कूल, मोहन नगर कुरुक्षेत्र में मातृ दिवस बड़े ही अनूठे ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यालय में माताओं के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें माताओं ने मनोरंजक खेलों में भाग लिया तथा विजेता माताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। लक्की ड्रा कूपन ले माध्यम से सभी विद्यालय में आई सभी माताओं को उपहार दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा ने मातृ दिवस का महत्व बताते हुए बच्चों को समझाया कि यह दिन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सभी माताओं के प्रति सम्मान, सत्कार और प्यार व्यक्त करने के लिए मनाया जाने वाला एक अवसर है। यह दिन हम हमारी जिंदगी में एक मां की भूमिका के महत्त्व को दशार्ने के लिए मनाते हैं। यह अवसर सभी को अपने आसपास की माताओं के लिए कुछ खास करने का मौका देता है। लेकिन इस बात का बेहद ध्यान रखना चाहिए कि अपनी मां का शुक्रिया अदा करने के लिए केवल एक दिन काफी नहीं है,सभी दिनों को खास बनाएं और उन्हें खास होने का एहसास दिलाएं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा ने बताया कि अध्यापन क्षेत्र से जुड़ी हर स्त्री हर विद्यार्थी के लिए एक माता की भूमिका निभाती है। इस अवसर पर प्रशासक श्री विकास गाबा,उप प्रधानाचार्या रिद्धिमा, मुख्याध्यापिका प्रीती मिश्रा, को ऑर्डिनेटर ऋतु चौधरी, मंजीत, मीनाक्षी, सीमा, नैंसी, सीमा, पायल, प्रियंका, हरिंदर, सोनिया, परमज्योति, नीतू, रिहाना, मधु, पूनम, आशा, किरण, अंजलि, कोमल, स्नेह, मोनिका, गीता अध्यापक ईशांत , शक्ति प्रकाश, जसमेर सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मातृ दिवस : छात्रों ने प्रस्तुतियों से मोहा मन

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन विद्या मंदिर, सेक्टर- 3 विद्यालय में मातृ दिवस का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य बालकों के मन में अपनी मां के प्रति श्रद्धा और प्रेम जगाना तथा माताओं को सम्मान देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः वंदना सत्र में दीप प्रज्वलन के साथ दयानंद सदन द्वारा किया गया । इस अवसर पर विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कक्षा द्वितीय से अष्टम तक के छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों के द्वारा सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बताया कि- मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें सारा संसार व्याप्त है ।संसार को चलाने वाली बच्चों के लिए संसार से लड़ जाने वाली अपनी हर संतान को बराबर प्यार देने वाली मां होती है। मां अपना पूरा जीवन अपने परिवार के लिए समर्पित कर देती है। अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य सुमित कुमार ने छात्रों का मार्गदर्शन किया और बताया कि हमारा विद्यालय नन्हें बालकों में संस्कार डालने के लिए सदा प्रयत्नशील रहता हैं। छोटे -छोटे कार्यक्रम के माध्यम से हम बालकों के मन में संस्कारों को स्थाई रूप देने का कार्य करते हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि जिंदगी में पहली शिक्षक मां होती है और जिंदगी देने वाली भी मां ही होती है ।मां को अपने बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहती है।

खबर संक्षेप

केयू में 12 मई से नियमित परीक्षाएं होंगी शुरू

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार 12 मई, 2025 से नियमित रूप से परीक्षाएं फिर से संचालित होंगी। यह जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि 12 मई से शुरू होने वाली परीक्षाएं नियमित रूप से पूर्व निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सुबह व सांय के सत्र में संचालित होंगी। उन्होंने बताया कि 9 व 10 मई को स्थगित हुई परीक्षाओं का शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा।

आध्यात्मिक केन्द्रों का विकास आवश्यक

कुरुक्षेत्र। श्री दुर्गा देवी मन्दिर पिपली के पीठाधीश और समर्थगुरु धारा हिमाचल के जोनल

कोऑर्डिनेटर आचार्य डॉ. सुरेश मिश्रा ने कहा कि संतत्व की यात्रा पर चलने वाले साधक अगर दो सुनहरी सूत्र जीवन में उतार लें, तो सभी के जीवन में संतत्व घटित हो जाता है। उन्होंने बताया कि समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया जनमानस और साधकों के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण अमूल्य सूत्र बताते है। सनातन धर्म की पुनः स्थापना के लिए शक्तिशाली एवं समृद्ध हिन्दू राष्ट्र की स्थापना, जाति मुक्त समाज की स्थापना, सामुदायिक व सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक केन्द्रों का विकास आवश्यक है।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

थानेसर। 175 बार रक्तदान के साथ 85 बार प्लेटलेट्स दान कर चुके और बिना किसी बैनर के 542 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित कर चुके राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल कुरुक्षेत्र के रक्त कोष में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर भारत माता के वीर पुत्र वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को समर्पित था। शिविर में रोटी बैंक के वरिष्ठ उप प्रधान एवं समाजसेवी भारतेन्दु हरीश एवं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य राम पाल सरोहा मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि प्रयास फाउंडेशन के प्रधान एवं रोटी बैंक के कोषाध्यक्ष नरेश सैनी की अध्यक्षता में यह शिविर पूर्ण हुआ।

केयू में 1857 की क्रांति की याद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्थित 1857 क्रांति संग्रहालय में शनिवार को 1857 की क्रांति में बलिदान देने वाले भारतीय वीर सपूतों, वीरांगनाओं व हरियाणा के वीर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा की धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा ने बतौर मुख्यातिथि कहा कि देश की एकता व अखंड़ता के लिए राष्ट्रीयता की भावना सर्वोपरि होनी चाहिए। डॉ. ममता सचदेवा ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने वीर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि आजादी का यह सफर लाखों वीरों की कुबार्नी से ही संभव हो पाया है।

बरसात से तापमान में आई गिरावट, मिली राहत

कुरुक्षेत्र। शनिवार दोपहर हुई बरसात से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। बारिश होने पर गर्मी झेल रहे लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं बारिश से मौसम सुहाना रहा। लोग सुहाने मौसम का आनंद लेने बच्चों सहित पार्कों में पहुंचने लगे। बारिश के बाद तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। बरसात होने से जहां गांव व शहर की निचली कई कालोनियों में कीचड़ जमा हो गया है। लोगों को आने जाने में परेशानी हुई। कई जगह सड़कों पर पानी निकासी न होने के कारण पानी खड़ा हो गया। बारिश से शहर भर की सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया। हालांकि बारिश एक घंटा हुई। लोगों को उम्मीद थी कि झमाझम बारिश होगी लेकिन लोगों की उम्मीदों पर उस समय पानी फिर गया जब बारिश के बाद धूप निकल पड़ी। बारिश के बाद सूर्य देव और बादलों के बीच आंख मिचौली चलती रही।

सांसद ने सड़क पर गिरे पेड़ को हटवाया

शनिवार की दोपहर अचानक तेज हवाओं के साथ आसमान में बादल छा गए। तेज हवाओं के कारण कई जगहों पर पेड़ भी गिर गए। दोपहर करीब दो बजे झमाझम बारिश शुरु हो गई। वही तेज हवाओं के कारण कई जगहों पेड़ भी गिर गए जिस कारण मार्ग अवरुद्ध रहा। कुरुक्षेत्र से कैथल जाते हुए कुरुक्षेत्र-ढांड रोड पर सड़क के बीच गिरे एक पेड़ को सांसद नवीन जिंदल ने राहगीरों एवं अपनी टीम की मदद से हटवाकर बाधित रास्ते को खुलवाया।

श्रीकृष्ण आयुष विवि में सेमिनार 15 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में आगामी 15 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आयुर्टेक इनोवेशन इन आयुर्वेदिक टेक्नोलॉजी विषय पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन आधुनिक तकनीक और पारंपरिक आयुर्वेद के समन्वय को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के निदेशक प्रो. बी वी. रमना रेड्डी बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.वैद्य करतार सिंह धीमान बतौर मुख्य संरक्षक कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि कुलसचिव प्रोफेसर ब्रिजेंद्र सिंह तोमर कार्यक्रम के संरक्षक होंगे। वहीं, हरियाणा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से डॉ. राहुल तनेजा और केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से डॉ.हेमंत पाणिग्रही एवं डॉ. बबीता यादव विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. राजा सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि ये सेमिनार तकनीकी नवाचारों को आयुर्वेद के क्षेत्र से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। इस विशेष अवसर पर 'आयुर्टेक मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता' भी आयोजित की जाएगी,जिसमें छात्र आयुर्वेद एवं तकनीकी नवाचारों पर आधारित मॉडल को प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 3100 रुपए, द्वितीय को 2100 रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 1100 रुपए की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। सेमिनार के संयोजक आयुर्वेद अनुसंधान एवं अध्ययन संस्थान के प्राचार्य प्रो.वैद्य देवेंद्र खुराना हैं,जबकि डॉ. प्रेरणा शर्मा एवं डॉ.जोरावर सिंह बूरा को सह समन्वयक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मां-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा : अंकित गुप्ता

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानव अधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता ने मातृ दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार में विशेष संबोधन देते हुए कहा कि माँ-बाप की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। यह केवल एक भावनात्मक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक और कानूनी कर्तव्य भी है। वेबिनार का विषय था मातृत्वः कर्तव्य, अधिकार और कानूनी संरक्षण जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। एडवोकेट गुप्ता ने कहा कि माता-पिता अपने संतान से भरण-पोषण पाने के लिए कानूनी रूप से हकदार हैं, यदि वे स्वयं समर्थ नहीं हैं। इसी तरह सीनियर सिटीजन एक्ट के तहत बच्चों का कर्तव्य है कि वे अपने माता-पिता की देखभाल करें। उल्लंघन की स्थिति में सजा का भी प्रावधान है। उन्होंने बताया कि संविधान का अनुच्छेद 21 भी गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान करता है जिसमें वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान भी शामिल है। उन्होंने बताया कि घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के अनुसार यदि किसी वृद्ध माँ को उपेक्षा या प्रताड़ना का सामना करना पड़े, तो उन्हें इस कानून के अंतर्गत संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि /"मातृ दिवस केवल फूल देने का नहीं, कर्तव्य निभाने का दिन है। हम जब तक माँ-बाप के त्याग को नहीं समझेंगे, तब तक हम अपने अधिकारों की बात करने के लायक नहीं हैं। वेबिनार के अंत में उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे माँ-बाप की सेवा को जीवन का मूल धर्म समझें और समाज में ऐसे वातावरण का निर्माण करें जिसमें बुजुर्ग माता-पिता को सम्मान और सुरक्षा मिले।

अंकित गुप्ता।

बच्चों ने मां शब्द की महिमा को किया उजागर

कुरुक्षेत्र। लिटिल मिलेनियम स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला रोजगार अधिकारी कुरुक्षेत्र सीमा सैनी, सुची सुमिता शर्मा क्यूरेटर, गुलजारीलाल नंदा स्मारक, कुरुक्षेत्र और रजवंत कौर प्रधान, नॉन-टीचिंग स्टाफ यूनियन, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बच्चों ने मां शब्द की महिमा को उजागर करते हुए एक मनमोहक भांगड़ा प्रस्तुति दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों द्वारा वृद्धाश्रम की थीम पर आधारित एक व्यंग्यात्मक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गई, जिसने सामाजिक चेतना को जागृत किया। माताओं के लिए विशेष मनोरंजन का भी आयोजन किया गया, जिसमें रैंप वॉक, म्यूजिकल चेयर, टंग ट्विस्टर, बैलून बर्स्टिंग और बॉल इन बास्केट जैसे आकर्षक खेल रखे गए। माताओं ने पूरे उत्साह से भाग लिया और खूब आनंद उठाया। विद्यालय के प्रबंधक परमिंदर सिंह बाठ ने इस अवसर पर कहा कि मां का प्रेम, त्याग और समर्पण अतुलनीय है। सभी विद्यार्थियों को चाहिए कि वे जीवन भर अपनी मां का सम्मान करें क्योंकि मां ही पहली गुरु होती है, जो हर मोड़ पर सही राह दिखाती है। माँ शब्द आपमें ही समेटे हुए उन भावनाओं की गहराई को दशार्ता है जिनकी तुलना दुनियाँ की कोई भी ताकत नहीं कर सकती।

कार्यक्रम डीएसबी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के लोकार्पण समारोह का आयोजन

भारत पूरे विश्व में अलग एवं विशेष राष्ट्र, यहां शिक्षा भी वेदों से मिलती : अवधेशानंद गिरी

कार्यक्रम में आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी एवं सांसद नवीन जिंदल हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

डीएसबी इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल के लोकार्पण पर रिबन काटते हुए आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी, सांसद नवीन जिंदल एवं अन्य।

श्री जयराम संस्थाओं के अंतर्गत स्थापित डीएसबी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर कुरुक्षेत्र के सांसद सांसद नवीन जिंदल शामिल हुए। देशभर में संचालित श्रीजयराम संस्थाओं के परमाध्यक्ष एवं श्री जयराम शिक्षण संस्थानों के चेयरमैन ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के सान्निध्य में आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी एवं कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने विधिवत रिबन काट कर व दीप प्रज्वल्लित कर डीएसबी इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कार्यक्रम से पूर्व आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी, सांसद नवीन जिंदल, महामंडलेश्वर देवानंद सरस्वती, परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, श्री जयराम संस्थाओं के ट्रस्टी दिल्ली से पधारे ओ.पी. लोहिया, कैलाश गोयल, विजय गोयल, रमन गोयल, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री मंगत राम सिंगला, सतपाल गुप्ता इत्यादि ने श्री जयराम संस्थाओं के संस्थापक एवं परमाध्यक्ष ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी के गुरु ब्रह्मलीन देवेंद्र स्वरूप ब्रह्मचारी की प्रतिमा पर नमन कर पुष्प अर्पित किए। अतिथियों के आगमन पर सेठ नवरंग राय लोहिया कन्या महाविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट्स एवं देश के भावी नन्हे सैनिकों ने जयराम सैनिक स्कूल के कैडेट्स ने मार्च पास्ट एवं सलामी के साथ स्वागत किया। आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा के लिए दो मुख्य शक्तियां काम करती हैं। बाहरी शक्ति के रूप में देश की सेना तथा आंतरिक शक्ति के रूप में शिक्षा व ज्ञान काम करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र एवं देश कोई साधारण भूखंड नहीं है। भारतीय संस्कृति के अनुसार देश में देवता काम करते हैं। इसलिए भारत वर्ष पूरे विश्व में एक अलग राष्ट्र है। भारत एक जीवंत राष्ट्र है। यहां शिक्षा वेदों से मिलती है और गीता का ज्ञान भी भगवान कृष्ण ने दिया है।

शिक्षा से राष्ट्र का विकास संभव : जिंदल

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि आज देश के विभिन्न राज्यों में हजारों बच्चे श्री जयराम संस्थाओं में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही सामाजिक परिवर्तन एवं राष्ट्र का विकास सम्भव है। ब्रह्मचारी ने निवारसी में डीएसबी इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल में अत्याधुनिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं, इसलिए वो साधुवाद के पात्र हैं। नवीन जिंदल ने लोहार माजरा में खोले गए सैनिक स्कूल के लिए भी बधाई दी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा 2035 तक विकसित राज्य होगा।

प्रिंसिपल रेणु ने अतिथियों का किया स्वागत

इस मौके पर कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डीएसबी इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल निवारसी की प्रिंसिपल रेणु राघव ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और डीएसबी इंटरनैशनल पब्लिक स्कूल ऋषिकेश के प्रिंसिपल शिव सहगल ने आए हुए अतिथियों का कार्यक्रम के समापन पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंच संचालन प्रो. शिव शंकर मिश्र ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, पूर्व विधायक रमेश गुप्ता, राजेश सिंगला,पवन गर्ग, प्रदीप कुमार सरपंच निवारसी, बलविंदर सिंह सरपंच भैरन, ऋषिकेश से हर्षवर्धन, विनोद अग्रवाल, राजेंद्र सिंघल, श्रवण गुप्ता, के.के. कौशिक, कुलवंत सैनी, खरैती लाल सिंगला, सुरेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने प्रशिक्षण शिविर में जीती ट्रॉफी व 64 पदक

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में आईआईएचएस के एन.सी.सी. कैडेट्स के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय, निवारसी, कुरुक्षेत्र में 1 से 10 मई तक दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इस समग्र शिविर में आईआईएचएस के एन.सी.सी. कैडेट्स ने 64 पदक एवं 1 ट्रॉफी प्राप्त कर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा अपने संस्थान की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इस उपलब्धि के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) एक ऐसा संगठन है जो देश के युवाओं को अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में संवारने में लगे हुए हैं। इस उपलब्धि के लिए कुलसचिव लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेन्द्र पाल व आईआईएचएस की प्राचार्या प्रोफेसर रीटा, सी.टी. ओ डॉ ऋतु सैनी ने भी प्रसन्नता व्यक्त की व सभी कैडेट्स को शुभकामनाएं दी।

खबर संक्षेप

लूट के मामले में आरोपी गिरफ्तार, रिमांड पर भेजा

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज लूट के मामले में सीआईए-शहजादपुर ने आरोपी फतेह सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अब एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। मामले में अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। परवादी शहनबाज ने 3 अप्रैल 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि राजू ढाबा हमीदपुर के पास आरोपियों ने जान से मारने का भय दिखाकर उससे एक बड़ी रकम लूट ली थी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

धोखाधड़ी के दो अन्य आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी रिंकू कुमार उर्फ जॉनी व जगन्नाथ को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। बब्याल के बालक राम ने 4 जनवरी 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी सोनू कुमार तथा अन्य ने उसके पुत्र को सरकारी नौकरी लगवाने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी आर्थिक अपराध शाखा को दी थी।

शहीदों को दो मिनट का मौन रख दी श्रद्धांजलि

नरवाना। नरवाना वैलफेयर मंच के संयोजक सरदार हरचरण सिंह ने मंच द्वारा लड़कियों के लिए बनाई फ्री लाईब्रेरी में दो मिनट का मौन रख कर शहीदों को श्रद्धांजलि दीए और अपने सम्बोधन में लोगों से अपील भी की सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों का पालन करें देश के सीमा प्रहरी का तथा सरकार का यथायोग्य सहयोग करें जिससे देश की आन बान बनी रहे।देश के जवान उनकी जान की परवाह किए बिना देश की सीमाओं पर डटे हैं ।

ड्रग कंट्रोल विभाग ने किया मेडिकल स्टोर को सील

जींद। ड्रग कंट्रोल विभाग की टीम ने नरवाना में मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने एक मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। इस कार्रवाई में पुलिस बल भी मौजूद रहा। दुकान से पिछले साल जून में दवाइयों का सैंपल लिया गया था जो जांच में फेल पाया है। ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर जींद गीता गोयल और करनाल से डीसीओ विकास राठी अपनी टीम एवं पुलिसबल के साथ नरवाना में धौला कुआं के पास स्थित अंकित मेडिकोज पर रेड की थी।

खेतों से ट्रांसफार्मर बिजली मोटर चोरी

जींद। जिले में अलग-अलग स्थानों से चोरों ने बिजली मोटर तथा ट्रांसफार्मर को चोरी कर लिया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव लुदाना निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके खते से दस एचपी की बिजली मोटर को चोरी कर लिया।

गेहूं का त्वरित उठान सुनिश्चित किया जाए

जींद। रबी सीजन के अंतर्गत जिले में गेहूं की खरीद एवं उठान प्रक्रिया सुचारू रूप से प्रगति पर है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि मंडियों में खरीदे गए गेहूं का त्वरित उठान सुनिश्चित किया जाए ताकिफसल की सुरक्षा हो सके।

पीने के पानी व दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने के आदेश

हर आपदा से निपटने के लिए प्रशासन मुस्तैद खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी पर रखें नजर

11 को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग के लिए होगा रजिस्ट्रेशन, हर गांव व शहर में कमेटियों का हुआ गठन, पूर्व सैनिकों को भी तैयार रहने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला। प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते डीसी अजय सिंह तोमर।

भारत-पाक में बेशक युद्ध के मोर्चे पर सीजफायर हो गया है। फिर भी डीसी अजय सिंह तोमर आपदा से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उधर शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी वीसी के जरिए सभी प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। डीसी ने अधिकारियों को कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर जो हालात चल रहे हैं उससे सभी वाकिफ हैं। अंबाला बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। वर्तमान परिस्थितियों में किसी भी आपदा के आने से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन द्वारा वायुसेना, आर्मी, पुलिस, एसडीआरएफ द्वारा बेहतर समन्वय के साथ मॉक ड्रिल भी करवाई गई है। इससे कि समय रहते यह टीमें रिस्पोंस करें। आपदा में घायल लोगों की सहायता की जा सके। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से जिले में ड्रोन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया हुआ है। अगर कोई भी नियमों की अवहेलना करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित रखें। किसी भी क्षेत्र में पेयजल की कमी न होने दें। इसके लिए जो भी व्यवस्थाएं जैसे जनरेटर इत्यादि एवं अन्य प्रबंध करने वह समय रहते कर लें। उन्होंने कहा कि पानी के सैंपल समय-समय पर चेक करें। इसके अलावा कोई आपदा आती है तो उसके तहत जन स्वास्थ्य विभाग टैंकरों की व्यवस्था भी रखें। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे भी एंबुलेंस की व्यवस्था के साथ-साथ दवाइयों की उपलब्धता रखें। डीएफएससी को निर्देश दिए खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। किसी भी खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी न की जाए। सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतों के अनुसार स्टॉक को प्रत्येक सप्ताह पोर्टल पर डिस्कलोसर करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी एनसीसी, एनएसएस व स्काउटस की ट्रेनिंग करवाना सुनिश्चित करें ताकि जरूरत पर वैलंटियर की उसका सहयोग लिया जा सके।

सिविल डिफेंस का आयोजित होगा कैंप

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर बने तनाव को लेकर अब अंबाला शहर व अंबाला छावनी में सिविल डिफेंस द्वारा व्यापक प्रबंध एवं तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस द्वारा 11 मई को प्रातः 10 बजे अंबाला छावनी के एसडी कॉलेज में और अंबाला शहर की नई अनाज मंडी में दोपहर 3 बजे ट्रेनिंग कैंप कम रजिस्ट्रेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा।इसमें 18 वर्ष आयु वर्ग या उससे अधिक आयु का युवा इसमें भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग कैंप में अधिक से अधिक युवा भाग लें। उन्होंने यह भी बताया कि इस ट्रेनिंग में अग्नि घटना से बचाव , फर्स्ट ऐड एवं किसी भी आपदा में आप अपने-आप को कैसे सुरक्षित रख सकते हैं इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ-साथ उन्होंने यह भी बताया कि अंबाला शहर, अंबाला छावनी, बराड़ा व नारायणगढ़ में भी वार्ड वाईज कमेटियां बनाई गई हैं। गांवों में भी कमेटी बनाई जा रही हैं।

पर्याप्त मात्रा में रखें खाद्य पदार्थ : डीजी

- ओवर चार्जिंग करने वाले के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की जाएगी

अंबाला। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के महानिदेशक ने सभी खाद्य वस्तुओं के होलसेलर,रिलेटर व ट्रेडर्स को निर्देश दिए कि वे देश में वर्तमान विशेष परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। किसी भी खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी न की जाए। यदि कोई भी होलसेलर, रिलेटर या फिर ट्रेडर्स खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी तथा उपभोक्ताओं से खाद्य वस्तुओं के मूल्य की ओवर चार्जिंग करता पाया जाता है तो उसके विरूद्ध ठोस कार्रवाई की जाएगी। सरकार द्वारा निर्धारित स्टॉक लिमिट अनुसार जिले के सभी गेहूं, चीनी तथा दाल होलसेलर,ट्रेडर्स व रिटेलर भंडारण करेंगे। सरकार द्वारा जारी की गई हिदायतानुसार उक्त स्टॉक को प्रत्येक सप्ताह पोर्टल पर डिस्कलोसर करेंगे। मार्केट में आम जन हेतू खाद्य वस्तुओं, गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है। भविष्य में भी आमजन को उक्त बारे कोई परेशानी नही होगी। प्रशासन ने खाद्य वस्तुओं की ओवरचार्जिंग करने पर 01712530100 पर शिकायत दर्ज करवाने की बात कही है।

ये रहे मौजूद

इस दौरान पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, नगर निगम कमिश्नर बलप्रीत सिंह, एडीसी डॉ. ब्रह्मजीत सिंह, एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम विनेश कुमार, एसडीएम अमित भारद्वाज, नगराधीश अभिषेक गर्ग, अधीक्षक अभियंता वीके गोयल, अधीक्षक अभियंता मनीष कुमार, अधीक्षक अभियंता हरपाल सिंह, डीडीपीओ दिनेश शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. राकेश सहल, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार, सुखबीर सिंह, कार्यकारी अभियंता कृष्ण भुक्कल, संदीप कुमार, रितेश अग्रवाल भी मौजूद रहे।

योग से साधकों ने भारतीय सैनिकों को किया सलाम

■ शुभम औ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

योग कर सैनिकों को सलाम करते साधक। फोटो : हरिभूमि

भारतीय सेना द्वारा किए गए "सिंदूर ऑपरेशन" में वीर जवानों के साहस और शौर्य ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। भारतीय योग संस्थान के साधकों ने सहायक केंद्र प्रमुख पंडित रमा शंकर के नेतृत्व में योग एवं प्राणायाम किया। इस अवसर पर भारतीय सेना के अदम्य पराक्रम की सराहना करते हुए उन्हें सेल्यूट किया गया पंडित रमाशंकर ने वीर सैनिकों की कुशलता और सफलता के लिए विशेष प्रार्थना का आयोजन कर सभी को सेना के लिए एकजुट होकर प्रार्थना करने का संदेश दिया। योग साधक रीटा ने कहा, "भारतीय सेना के पराक्रम के कारण ही हम सभी भारतवासी अपने घरों में सुरक्षित हैं। हमें अपनी सेना पर गर्व है और हम उनके ऋणी हैं। संस्थान के ज़ोन प्रधान संजय धीमान ने कहा कि "भारतीय सेना का साहस, अनुशासन और समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है। हम सब भारतवासियों को गर्व है कि हमारे पास इतनी मजबूत और सशक्त सेना है।" योग साधक अजीत त्यागी ने कहा कि "भारतीय सेना ने हर बार देश की सीमाओं की रक्षा में अपना सर्वोच्च योगदान दिया है, जो अत्यंत प्रशंसनीय है। विनोद ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि "सेना की वजह से ही राष्ट्र में शांति और स्थिरता बनी रहती है, और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा करने में अपना जीवन भी बलिदान कर देते है। रामनाथ धीमान ने कहा कि "हमारे जवान हर परिस्थिति में देशहित में कार्य कर रहे हैं, और हमें उनका समर्थन करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।"

कांग्रेस नेता बोले व्यापारियों को आ रही फिरौती की धमकियां

कस्बे में अपराधियों का बढ़ा खौफ सीएम से एमएलए ने की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

सीएम नायब सैनी से मुलाक़ात करते विधायक शैली चौधरी व राम किशन गुज्जर।

विधानसभा में बढ़ते अपराध को लेकर शनिवार को विधायक शैली चौधरी व कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राम किशन गुज्जर ने सीएम नायब सैनी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम से कस्बे में बढ़ते अपराध, फिरौती के लिए आ रोज आ रहीं धमकियों की वजह से खौफ के माहौल को खत्म करने के लिए जरुरी कदम उठाए जाने का आग्रह किया है। इस सिलसिले में विधायक की ओर से एक ज्ञापन भी सीएम को सौंपा गया। कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राम किशन गुज्जर ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र मे पिछले कई महीनों से क्राइम की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्हें इस ओर ध्यान देने व इन पर अंकुश लगवाने का आग्रह किया राम किशन ने कहा कि हरबिलास हत्याकांड के बाद भी क्षेत्र में लोगों को फिरौती की धमकियां मिल रहीं हैं। लोगों में खौफ पैदा करने किया जा रहा है।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दिया मुंहतोड़ जवाब : जवाहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र.

आप पार्टी लीगल सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहरलाल गोयल ने कहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारत की सेना विश्व की सबसे सर्वोच्च सेना है। देश के लोगों को अपनी सेना पर गर्व है। सेना के भरोसे ही देश के लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे देश को गौरव से भर दिया है। उन्होंने भारतीय सेना, वायुसेना और सभी सुरक्षा बलों को इस निर्णायक कार्रवाई के लिए हार्दिक बधाई और सलूट किया। गोयल ने कहा कि यह ऑपरेशन न केवल सैन्य दक्षता का प्रमाण है, बल्कि यह संदेश भी है कि भारत अब आतंकवाद को उसकी जड़ों से उखाड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। जवाहरलाल गोयल ने कहा कि समय आ गया है कि आतंक की फैक्ट्री को जड़ से खत्म किया जाए। पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है और अब उसे वापस लेने का निर्णायक क्षण आ गया है। न रहेगा पीओके न बचेंगे आतंकी कैंप। ऑपरेशन सिंदूर यह सिद्ध करता है कि भारतीय सेना के हौसले बुलंद हैं और राजनीतिक इच्छाशक्ति अगर दृढ़ हो, तो कोई भी दुश्मन भारत की अखंडता को चुनौती नहीं दे सकता।

मौजगढ़ से शुरू हुआ तालाबों और नालों की सफाई का काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

तालाब के पानी को निकालने के कार्य का शुभारंभ करते हुए रजत मलिक।

बरसात के मौसम से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर पालिका ने कमर कस ली है। इस क्रम में गांव मौजगढ़ (वार्ड नंबर 1) से तालाबों और नालों की सफाई अभियान की शुरुआत की गई। नगर पालिका अध्यक्ष रजत मलिक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पानी निकासी कार्य का उद्घाटन किया। मलिक ने कहा कि हर वर्ष बरसात के दौरान तालाबों और नालों के ओवरफ्लो से गलियों और सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इस बार पहले से तैयारी करते हुए सफाई कार्य समय रहते शुरू करवा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक वार्ड में समयबद्ध ढंग से तालाबों और नालों की सफाई का कार्य किया जाएगा ताकि पानी निकासी में कोई रुकावट न आए। जब तक सफाई कार्यों के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं होती, तब तक सभी वार्डों में सफाई कर्मचारियों को यह कार्य सौंपा गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में नपा सदस्य पवन कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे।

नालों में कूड़ा न डालें

नगर पालिका की यह योजना यदि सुचारु रूप से लागू होती है, तो आने वाले दिनों में बराड़ा शहर को जलभराव जैसी गंभीर समस्या से बड़ी राहत मिल सकती है। नपा अध्यक्ष रजत मलिक ने कहा कि घरों और दुकानों से निकलने वाले कचरे जैसे प्लास्टिक की थैलियां, प्लास्टिक की खाली बोतलें आदि सामान नालों के बंद होने का कारण बनता है। इसलिए सभी से अपील है कि इस प्रकार का सामान नालों में न डाले इससे पानी निकासी अवरुद्ध हो जाती है और बरसात के दिनों में अधिक पानी होने से निलकने की जगह नही मिल पाती जिससे पानी गलियों में जमा हो जाता है।

निरंतर चलेगा नालियों की सफाई का कार्य

अंबाला। नगर निगम के कमिश्नर डॉ. बलप्रीत सिंह ने शनिवार को निगम कार्यालय में सभी अधिकारियों के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य नगर निगम सफाई व्यवस्था को मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि बरसाती सीजन को देखते हुए शहर के सभी बड़े व छोटे नालों की सफाई निरंतर जारी रखी जाए। नगर निगम की सफाई शाखा द्वारा सभी शहर के छोटे नालों की सफाई जेसीबी मशीन से करवाई जा रही है कमिश्नर ने यह भी बताया गया की बरसाती सीजन के कारण शहर के ज्यादातर नालों की सफाई का कार्य निरंतरता से चल रहा है।

विश्व शांति की भावना से की पक्षीराज शरभ की पूजा

पिहोवा। भगवान शिव के छठे अंशावतार आकाशभैरव पक्षीराज शरभ का 3 दिवसीय प्रकटोत्सव समारोह 8 मई से 11 मई तक माडल टाउन में स्थित श्री दक्षिणा काली पीठ में स्थापित अनूठे एवं दिव्य पक्षीराज मन्दिर में मनाया जाएगा। महामण्डलेश्वर स्वामी विद्यागिरि जी महाराज की अध्यक्षता एवं श्रीमहन्त बंसी पुरी जी महाराज के सान्निध्य में विश्व शान्ति एवं जनकल्याण की भावना से विशेष जप एवं अनुष्ठान द्वारा प्रतिदिन आकाशभैरव पक्षीराज शरभ की पूजा एवं यज्ञ किया जा रहा है। धर्म की रक्षा एवं संरक्षण, एवं सृष्टि के पालन-पोषण, आकाश भैरव पक्षीराज शरभ वेदों-पुराणों में वर्णन है कि जब भी संसार पर किसी प्रकार का संकट आता है तो सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु और संहारकर्ता के रूप में भगवान शिव समय-समय पर अनेक रूपों में अवतरित हुए हैं, ताकि संसार की रक्षा की जा सके। इसी क्रम में भगवान विष्णु ने अपने प्रिय भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए नृसिंह का अवतार धारण किया। राक्षसराज हिरण्यकशिपु की राजसभा में खम्भे को फाडकर प्रकट हुए और उसका वध कर दिया।

कुरुक्षेत्र। जानकारी देते महंत बंसी पुरी महाराज एवं खटवांग पुरी महाराज।

कमिश्नर ने दिए जांच के आदेश

स्कूल की 6600 वर्ग गज जमीन की जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- प्रॉपर्टी आईडी से छेड़छाड़ होने का दावा, मेयर ने शिकायत मिलने के बाद दिए थे जांच के आदेश

अंबाला शहर के श्री आत्मानंद (एसए) जैन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की परशुराम नगर स्थित 6600 गज जमीन के मामले में नगर निगम ने जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि इस मामले में प्रॉपर्टी आईडी से छेड़छाड़ की गई है। नगर निगम की मेयर शैलजा सचदेवा ने शिकायत मिलने के बाद नगर निगम के कमिश्नर से कहा कि इस मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से की जाए। इसलिए टीम फिर से नगर निगम के रिकॉर्ड चेक करने में जुट गई है। उधर श्री जैन श्वेतांबर जैन मूर्ति पूजक संघ के पत्र से साफ हो गया है कि इस स्कूल की 6600 गज जमीन को बेचे जाने के बारे में अभी तक श्री संघ को लिखित में सूचित नहीं किया गया है। हालांकि एसए जैन स्कूल के प्रधान हितेष जैन ने दावा कर रहे हैं कि इस मामले में संविधान के तहत कार्रवाई की जाए। बता दें कि एसए जैन सीनियर सैकेंडरी स्कूल की जमीन पिछले कई सालों से खाली पड़ी थी। जिसमें करीब 19 प्लॉट अलग-अलग करके खरीदे गए थे। जिनकी रजिस्ट्रियां भी अलग-अलग हैं। इसकी बोली में भी पारदर्शिता नहीं बरती गई। प्रबंधक कमेटी में पांच सदस्य हैं लेकिन बोली में 8 लोगों के हस्ताक्षर किए गए हैं। कमेटी की तरफ से नियम के तहत जमीन बेचने से संबंधित न ही कोई नोटिस चस्पा किया गया और समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया गया। 16 हजार 800 रुपए प्रति वर्ग गज के हिसाब से इस जमीन का सौदा चुपचाप कर दिया गया। नगर निगम कार्यालय में इस जमीन को लेकर रिकॉर्ड चेक किया गया तो उनमें छेड़छाड़ किए जाने की बात सामने आई।

सप्ताह में एक दिन जरूर मनाएं ड्राई-डे

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के अंतर्गत जलालपुर कलां गांव में एमपीएचडब्ल्यू पवन श्योकंद, जयवीर, सुशील शर्मा, पवन कुमार व रामदयाल ने रैपिड फीवर मास सर्वे किया। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई गई और घरों के टंकी, कूलर, होदी, ड्राम, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लार्वा की जांच की व मलेरिया से बचाव बारे पंपलेट भी बांटे गए। पवन सिंह ने बताया सर्वे के दौरान नुक्कड़ सभाएं कर आम जनता को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मी ने बताया कि मलेरिया बुखार संक्रमित मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से होता है जोकि पानी में जीवनचक्र पूरा करता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

दवाओं का स्ट्रॉक फुल, 4 हजार बेड की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

युद्ध विराम से पहले स्वास्थ्य विभाग ने किए पर्याप्त प्रबंध

अंबाला। कैंट रेलवे स्टेशन का बाहरी दृश्य।

भारत-पाक के बीच युद्ध की संभावनाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जरुरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों की ओर से दवाओं के स्टॉक और रिजर्व बेड जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रबंध किए गए हैं। सीएमओ डॉ. राकेश सहल ने बताया कि प्रशासन के आदेश पर अब अंबाला का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। सभी कर्मचारियों की छुट्टी निरस्त कर दी गई है। अस्पताल में 24 घंटे पर्याप्त स्टाफ तैनात रहेगा। सरकारी और निजी अस्पतालों में 1000 बैड रिजर्व रखे गए हैं। अंबाला में कुल 4033 बैड हैं। जिनमें 712 बेड सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध हैं, तो वहीं निजी अस्पतालों में कुल 3321 बेड उपलब्ध हैं। जिसमें किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सकेगा। आवश्यकता पड़ेगी तो इनमें बैड की संख्या बढ़ाई जाएगी। लगभग 2 माह के लिए आवश्यक दवाओं का स्टॉक है। इसके साथ ही निजी मेडिकल स्टोर्स पर भी सभी प्रकार की जरूरी दवाओं का स्टॉक मौजूद हैं।

घबराएं नहीं, स्थिति सामान्य

अंबाला छावनी में अंबाला घरेलू हवाई अड्डे के पास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अंबाला हवाई अड्डे सहित देश भर के 32 हवाई अड्डों को 10 मई से 15 मई तक बंद रखने की अवधि बढ़ा दी है। इसके साथ ही अंबाला के एयरफोर्स स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। जिला प्रशासन और सैन्य अधिकारियों ने हॉटलाइन के जरिए लगातार संपर्क बनाए रखा है, ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। हालांकि, प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभी तक कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है और स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

छात्राएं अपनी सेहत के प्रति जागरूक रहें: डा. अरुण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

माता चन्नन देवी आर्य कन्या गुरूकुल पिल्लूखेड़ा में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एसएमओ डा. अरूण के नेतृत्व में चिकित्सक टीम ने 450 छात्राओं के वजन, ऊंचाई, खून व स्वास्थ्य की जांच की। टीम में शामिल सीएचओ रेणू, सोनिया, एलटी रेखा, एमपीएचडब्ल्यू विनोद, सुशीला, सोमवती, देवेंद्र व शकुंतला ने भी स्वास्थ्य जांच में सहयोग किया। टीम ने स्वास्थ्य जांच के दौरान छात्राओं को साफ-सफाई व हाइजिन जैसी अनेक स्वास्थ्य संबंधि जानकारियां दी। गुरूकुल प्राचार्या ज्योति बताया कि स्कूल की 450 छात्राओं की चिकित्सकों द्वारा जांच की गई। जांच के दौरान जिन भी छात्राओं में खून की कमी पाई गई, उन्हें दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई तथा बच्चों को पोषित भोजन लेने के बारे में अवगत कराया गया। एसएमओ डा. अरूण ने छात्राओं को संदेश दिया कि स्वस्थ मस्तिष्क के लिए शरीर का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। इसके लिए स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। छात्राएं सेहत के प्रति जागरूक रहें।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

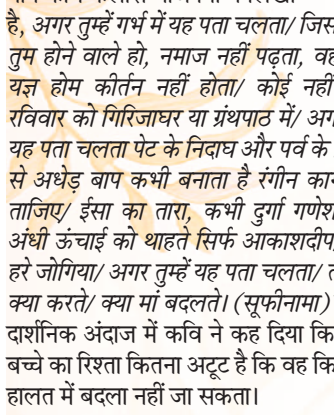

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

'मांजी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को ग्राइंड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया
इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्सेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फेलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट ज्वाइंट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है?
यदि ऑपरेशन के बाद दवाव बना रहता या
दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।
NBC®
डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

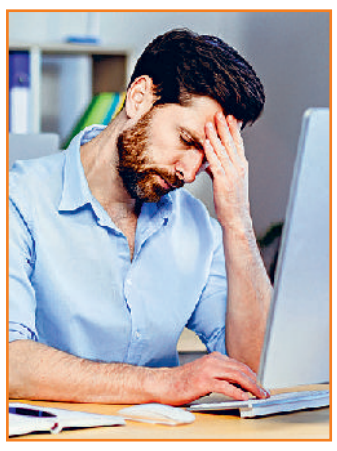

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

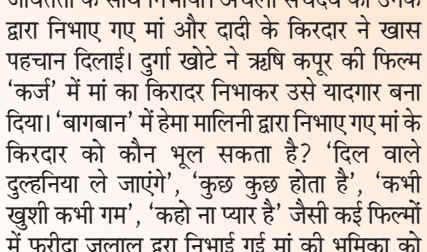

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *